



#### तालिका :4 मध्य कारपोरेट समूह : उल्लेखनीय तथ्य

(राशि करोड़ रुपए में)

विवरण	31.03.2007 को	31.03.2008 को	संवृद्धि %
अग्रिम (खाद्यान्न सहित)	68,446	76,338	11.5
अग्रिम (खाद्यान्न रहित)	60,138	73,874	23
आफसाइट अग्रिम	27,445	35,128	28
कुल अग्रिम (खाद्यान्न रहित)	87,583	1,09,002	24
जमा	10,011	11,648	16

- यह समूह बैंक के कुल गैर-खाद्यान्न अग्रिमों का 30% संभालता है तथा देश के विभिन्न भागों में स्थित अपने 8 क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से कार्य परिचालन करता है। अनुमान है कि देश के 38% मध्य कारपोरेट वर्ग को बैंक सेवा प्रदान कर रहा है। चालू वित्त वर्ष के दौरान समूह की सेवा परिधि के और विस्तृत होने की संभावना है।
- वर्ष के दौरान एमसीजी में 695 नए मध्य कारपोरेट ग्राहक जोड़े गए।
- 31 मार्च 2008 की स्थिति के अनुसार इस समूह का कुल ऋण संविभाग (निधि आधारित) रु.1,09,002 करोड़ था, जो देश के कई प्रमुख बैंकों द्वारा किए गए कुल व्यवसाय से अधिक है।
- अग्रिमों पर औसत प्रतिफल, मार्च 2007 के 8.76% के स्तर से बढ़कर मार्च 2008 में 9.73% हो गया।

#### किए गए प्रयास

- दो क्षेत्रीय कार्यालयों, मुंबई और चेन्नई में समूहन डेस्क स्थापित किए गए हैं, ताकि कार्यशील पूंजी ऋण सुविधाओं के समूहन के लिए उपलब्ध अवसरों का दोहन किया जा सके।
- चेन्नई और नई दिल्ली क्षेत्रों में परियोजना वित्तपोषण कक्षों की स्थापना की गई।
- आइपीओ/प्राइवेट ईक्विटी/ऋण समूहन/विदेशी मुद्रा ऋणों/विदेशी अभिग्रहणों/बाह्य वाणिज्यिक उधारों के रूप में मध्य कारपोरेट समूह ग्राहकों के लिए एसबीआई कैप्स/विदेशी कार्यालयों के माध्यम से बड़ा व्यवसाय जुटाया गया।

#### नए उत्पाद

- निर्माण कंपनियों की ऋण आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए निर्माण उपकरण ऋण नाम से एक नया उत्पाद प्रारंभ किया गया।

#### ग.2 स्वर्ण बैंकिंग

बहुमूल्य धातु विभाग नाम से एक अलग विभाग बैंक के कारपोरेट केंद्र में सृजित किया गया है जिससे कि स्वर्ण बैंकिंग व्यवसाय को बढ़ावा दिया जा सके।

बैंक द्वारा स्वर्ण सिक्कों की खुदरा बिक्री प्रारंभ गई है जो इस समय देश भर में 250 शाखाओं में उपलब्ध है। यह योजना वर्तमान वर्ष के दौरान चरणबद्ध रूप से 1000 शाखाओं में उपलब्ध कराई जाएगी।

धातु ऋणों और रत्नाभूषण निर्माताओं को स्वर्ण की थोक बिक्री के लिए 52 शाखाओं को अधिकृत किया गया है। इन शाखाओं की संख्या को बढ़ाकर 70 किया जा रहा है।

मंदिरों, ट्रस्टों जैसी संस्थाओं के लिए स्वर्ण जमा योजना फिर से शुरू की गई है।

#### घ. राष्ट्रीय बैंकिंग समूह

बैंक के राष्ट्रीय बैंकिंग समूह (एनबीजी) में 3 व्यवसाय समूह यथा वैयक्तिक बैंकिंग, लघु और मध्यम उद्यम (एसएमई) और सरकारी बैंकिंग शामिल हैं।

वर्ष के दौरान बैंक ने मील पत्थर हासिल कर तमिलनाडु के शिवगंगा जिले में पुदुवयाल में अपनी 10,000 वीं शाखा खोली जिसका उद्घाटन माननीय वित्त मंत्री श्री पी. चिदंबरम ने किया।

वर्ष के दौरान 965 शाखाएँ खोली गईं और मार्च 2008 के अंत तक बैंक के पास 10,186 शाखाओं का विशाल नेटवर्क है जो ग्राहकों को देश के कोने कोने में अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहा है।

#### तालिका - 5 राष्ट्रीय बैंकिंग समूह - उल्लेखनीय तथ्य

(राशि करोड़ रुपए में)

विवरण	31.03.2007 को	31.03.2008 को	संवृद्धि %
जमाराशियाँ (अंतर बैंक को छोड़कर)	3,67,524	4,54,883	23.77
अग्रिम (खाद्य सहित किंतु अंतर बैंक को छोड़कर)	1,98,701	2,44,617	23.11
अग्रिम (खाद्य को छोड़कर)	1,95,531	2,43,068	24.31

#### घ.1 वैयक्तिक बैंकिंग व्यवसाय इकाई

वर्ष के दौरान वैयक्तिक बैंकिंग देशीय जमाराशियाँ रु.1,90,870 करोड़ से बढ़कर रु.2,36,645 करोड़ तक पहुंच गईं। इस प्रकार रु.45,775 करोड़ (23.98%) की वृद्धि परिलक्षित हुई जबकि पिछले वर्ष यह वृद्धि रु. 27,684 करोड़ थी।



**Table : 4 MCG – Highlights**

(Amount in Rs. crore)

Particulars	As on 31.03.2007	As on 31.03.2008	growth %
Advances (incl. food)	68,446	76,338	11.5
Advances (excl. food)	60,138	73,874	23
Offsite advances	27,445	35,128	28
Total advances (excl. food)	87,583	1,09,002	24
Deposits	10,011	11,648	16

- The Group handles about 30% of the total non-food advances of the Bank and operates through 8 Regional Offices situated across the country. It is estimated that 38% of the Mid-Corporate universe in the country is covered by the Bank. The coverage is expected to be extended to more centres during the current year.
- 695 new mid corporate clients were added to the MCG during the year.
- The total credit portfolio (fund based) of the Group stood at Rs 1,09,002 crore as on 31<sup>st</sup> March, 2008. This is more than the aggregate business handled by many of the top banks in the country.
- The average yield on advances went up from 8.76% in March 2007 to 9.73% in March 2008.

**Initiatives Taken**

- Syndication Desks have been created at two Regional Offices, Mumbai and Chennai, to tap the opportunities available for syndicating working capital facilities.
- Project Finance Cells have been set up in Chennai and New Delhi Regions.
- Substantial business in the form of IPOs/Private Equity/Debt Syndication/Foreign Currency Loans/Overseas Acquisitions/External Commercial Borrowings has been arranged for MCG clients through SBICAPS/Foreign Offices.

**New Products**

- A new product, Construction Equipment Loan, to cater to Construction Companies has been launched.

**C.2 Gold Banking**

A separate Department, Precious Metals Department, has been created at the Bank's Corporate Centre for the purpose of boosting the Gold Banking business.

The Bank launched retail sale of gold coins which is now available at 250 branches across the country. The scheme would be extended to cover 1000 branches in a phased manner during the current year.

While 52 branches are authorized for metal loans and bulk sale of gold to jewellery manufacturers the number is being increased to 70.

Gold Deposit Scheme has been revived for institutions like temples, trusts, etc.

**D. NATIONAL BANKING GROUP**

The Bank's National Banking Group (NBG) consists of three Business Groups viz., Personal Banking, Small & Medium Enterprise (SME), and Government Banking.

During the year Bank achieved a milestone by opening its 10,000th Branch at Pudukkottai, Sivaganga District in Tamil Nadu, which was inaugurated by Hon. Finance Minister Shri P. Chidambaram.

During the year, as many as 965 branches were opened, and at the end of March 2008 the Bank has a vast network of 10,186 branches to reach out to customers, even in the remotest parts of the country.

**Table : 5 NBG – Highlights**

(Amount in Rs. crore)

Particulars	As on 31.03.2007	As on 31.03.2008	% growth
Deposits (excluding inter bank)	3,67,524	4,54,883	23.77
Advances (including food but excluding inter bank)	1,98,701	2,44,617	23.11
Advances (excluding food)	1,95,531	2,43,068	24.31

**D.1 Personal Banking Business Unit**

During the year, Personal Banking domestic deposits have grown from Rs.1,90,870 crore to Rs.2,36,645 crore, showing a growth of Rs.45775 crore (23.98 %) as against Rs.27,684 crore during the previous year.





वर्ष के दौरान वैयक्तिक बैंकिंग अग्रिम रु.73,590 करोड़ से बढ़कर रु.88,549 करोड़ तक पहुंच गई। इस प्रकार रु.14,959 करोड़ (20.33%) की वृद्धि परिलक्षित हुई जो विगत वर्ष रु. 12, 530 करोड़ दर्ज की गई थी।

दिनांक 31.12.2007 तक की स्थिति के अनुसार भारतीय स्टेट बैंक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और आवास वित्त कंपनियों के बीच वैयक्तिक आवास ऋण संवितरण के मामलों में इस वर्ष के अग्रणी नायक के रूप में सामने आया। लगातार दूसरे वर्ष बैंक को सर्वाधिक पसंदीदा आवास ऋण प्रदाता चुना गया और उसे 2007 का सीएनबीसी आवाज कंज्यूमर अवार्ड प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त-एजी निल्सन और कंपनी के साथ मिलकर सीएनबीसी टीवी 18 द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार अपने बैंक को सर्वाधिक पसंदीदा बैंक का पुरस्कार प्राप्त हुआ। यह सर्वेक्षण 21 शहरों 13 कस्बों के 10,000 उत्तरदाताओं के बीच किया गया।

वर्ष के दौरान नए उत्पादों में गृह ऋणों के अंतर्गत एसबीआइ रिवर्स मॉर्टगेज लोन तथा एसबीआइ होम प्लस प्रारंभ किए गए। गृह ऋणों की चुकौती-अवधि बढ़ाकर अब 25 वर्ष कर दी गई है जिससे ऋणियों का चुकौती दायित्व पहले से कम हो जाएगा और आवेदन अब बैंक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन और कॉल सेंटर के माध्यम से स्वीकार किए जाते हैं।

इस वर्ष बैंक द्वारा 78.65 लाख नये बचत बैंक खाते खोले गए जबकि पिछले वर्ष 62.40 लाख खाते खोले गए थे।

वाहन ऋण संविभाग में कुल मिलाकर रु.1,645 करोड़ की खासी वृद्धि हुई जो पिछले वर्ष की वृद्धि से 29.89% अधिक है।

एसबीआइ शिक्षा ऋणों में बाजार का नेतृत्व करता है। सरकारी क्षेत्र के बैंकों में इसका बाजार अंश 24% है। वर्ष के दौरान शिक्षा ऋणों में रु.1,112 करोड़ की वृद्धि हुई जो मार्च 2007 से 33.67% अधिक है।

आइआइएम/आइआइटी/एआइआइएमएस/मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट जैसे 52 प्रमुख संस्थानों में दाखिला लेने वाले छात्रों को रियायती बाजार दरों और शर्तों पर एसबीआइ स्कॉलर लोन दिए गए।

शिक्षा ऋणों के लिए वेब आधारित पंजीकरण की माननीय वित्त मंत्री द्वारा 14 नवंबर 2007 को शुरुआत की गई तथा एसबीआइ स्कॉलर लोन के लिए सैद्धांतिक संस्वीकृति आन-लाइन प्रदान की जाती है।

## घ.2 लघु और मध्यम उद्यम व्यवसाय इकाई (एसएमईबीयू)

लघु और मध्यम उद्यम व्यवसाय इकाई, लघु और मध्यम उद्यमों के वित्तपोषण में बैंक की अग्रणी स्थिति को बनाए रखने के लिए कई कार्यनीतियाँ कार्यान्वित कर रही है।

लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र के अग्रिम पिछले वर्ष के रु.58,674 करोड़ से बढ़कर 31.03.2008 को रु.76,329 करोड़ हो गए, इस प्रकार वर्षानुवर्ष 30% की वृद्धि दर्ज की गई।

लघु एवं मध्यम उद्यम व्यवसाय इकाई की जमाराशियाँ पिछले वर्ष के रु.1,23,054 करोड़ से बढ़कर मार्च 2008 के अंत तक रु.1,65,168 करोड़ हो गई, जो कि वर्ष के दौरान 34% वृद्धि है।

## किए गए प्रयास

- कस्टमर रिलेशनशिप एक्जिक्यूटिव की बाजार से सीधी भर्ती की गई और उन्हें एसएमई शाखाओं के लिए संभावनाशील क्षेत्रों में मध्यम उद्यमों को सेवा प्रदान करने के लिए पदस्थ किया गया।
- व्यापारियों के लिए विशेष अभियान चलाया गया, जिसके अंतर्गत 60,000 से अधिक व्यापारियों को ऋण संस्वीकृत किए गए।

## घ.3 सरकारी व्यवसाय इकाई (जीबीयू)

सरकारी व्यवसाय से संबंधित निम्नलिखित कदम उठाए गए:

- अप्रत्यक्ष करों के लिए (इजिएस्ट) उत्पाद और सेवा शुल्क में इलेक्ट्रॉनिक लेखाकरण प्रणाली का विस्तार पूरे देश में किया गया।
- केंद्रीय उत्पाद, सेवा-कर, सीमशुल्क, रेल-भाड़ा, ई-भुगतान की शुरुआत की गई
- केंद्रीयकृत पेंशन प्रक्रिया केंद्रों की स्थापना सभी स्थानीय प्रधान कार्यालयों में की गई। इन केंद्रों के अंतर्गत 5814 शाखाएँ आती हैं (18.80 लाख खाते)। बाकी शाखाओं को इस परिधि में क्रमिक रूप से लाया जाएगा।
- राज्य सरकार के करों की आन-लाइन वसूली की साइबर ट्रेजरी सुविधा मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और गुजरात राज्य को भी मूल्य वर्धित कर / केंद्रीय बिक्री कर की वसूली के लिए प्रदान की गई। यह समाधान शीघ्र ही अन्य राज्य सरकारों को भी प्रस्तावित किया जाएगा।

## ड. ग्रामीण व्यवसाय समूह

वर्ष 2007-08 के दौरान बैंक के ग्रामीण व्यवसाय समूह जिसमें ग्रामीण और अर्ध शहरी शाखाएँ शामिल हैं, जो बैंक के शाखा नेटवर्क का लगभग 70% हैं, की जमाराशियों में 22.8% वृद्धि हुई और ये रु.29,807 करोड़ रहीं। अग्रिमों में 23.4% की वृद्धि हुई और ये रु.18,734 करोड़ रहे। पिछले वर्ष जमाराशियों में रु.16,367 करोड़ और अग्रिमों में रु.17,684 करोड़ की वृद्धि हुई थी। वर्ष के दौरान दिसंबर 2007 तक ग्रामीण और अर्ध शहरी शाखाओं का बाजार अंश जमाराशियों के मामले में 0.92% और अग्रिमों के मामले में 0.98% बढ़ा। बैंक की वर्तमान वर्ष की वृद्धि में दिसंबर 2007 तक जमाराशियों में 32.04% और अग्रिमों में 31.97% अंश रहा।





During the year, Personal Banking Advances have grown from Rs. 73,590 crore to Rs. 88,549 crore, showing a growth of Rs.14,959 crore (20.33%) as against Rs.12,530 crore during the previous year.

SBI emerged as a leader this year in terms of Individual Home Loan disbursements among SCBs & HFCs as on 31.12.2007. Bank was voted, for the second year in a row, as **The Most Preferred Housing Loan Provider** in CNBC AWAAZ Consumer Awards for 2007 along with the **Most Preferred Bank** Award in a survey conducted by CNBC TV 18 in association with AG Nielsen & Company covering more than 10,000 respondents across 21 cities and 13 small towns.

New Products introduced during the year were SBI Reverse Mortgage Loan and SBI Home Plus in the area of Home Loans. Repayment period for Home Loans has now been increased upto 25 years to facilitate lower repayment obligations and applications are now accepted online through Bank's website.

The Bank had opened 78.65 lac new Savings Bank Accounts during the year as against 62.40 lac previous year.

The Auto Loan portfolio has shown a healthy growth of Rs.1,645 crore in absolute terms, which is 29.89 % higher than last year's growth.

SBI is market leader in Education Loans and has a market share of 24% amongst PSU Banks. The growth in Education Loans during the year is Rs.1,112 crore which is 33.67% higher over March 2007.

SBI Scholar Loan is extended to the students joining 52 elite institutions like IIMs/ IITs/AIIMS/ Management Institutes etc. at concessional interest rates and terms.

Web based registration of applications for Education Loans was launched by Hon'ble Finance Minister on 14th November 2007. In principle sanctions are given online for SBI Scholar Loans.

## D.2 SME Business Unit (SMEBU)

SME Business Unit is implementing multiple strategies to maintain Bank's premier position in SME financing.

Advances to SME sector increased to Rs.76,329 crore

as on 31.03.2008 from Rs.58,674 crore of the previous year registering a Y-O-Y growth of 30%.

Deposits under SME sector increased to Rs.1,65,168 crore as at the end of March 2008 from Rs.1,23,054 crore of previous year, recording a growth of 34% during the year.

## Initiatives taken

- Customer Relationship Executives have been recruited from the Market and placed in potential SME branches for serving effectively Medium Enterprises.
- Traders Bonanza campaign has been conducted and loans sanctioned to more than 60,000 traders.

## D.3 Government Business Unit (GBU)

The following initiatives were taken in Government Business.

- a) Electronic Accounting System in Excise and Service Tax (EASIEST) for indirect taxes was extended to the entire country.
- b) E-Payment of Central Excise, Service Tax, Customs Duty, Rail Freight introduced.
- c) Centralised Pension Processing Centres (CPPC) were established at all LHOs covering 5814 branches (18.80 lac accounts). Remaining branches will be covered in a phased manner.
- d) Cyber Treasury for online collection of State Government taxes has been extended to the State of Madhya Pradesh, Chhatisgarh, Rajasthan and Gujarat for collection of VAT/CST and the solution is being offered to other State Governments shortly.

## E. RURAL BUSINESS GROUP

During the year 2007-08, Rural Business Group of the Bank comprising rural and semi urban branches, accounting for about 70% of the branch network of the Bank grew by Rs.29,807 crore in deposit representing a growth of 22.8% and Rs.18,734 crore in advances representing a growth of 23.4%. This was against a growth of Rs.16,367 crore in deposit and Rs.17,684 crore in the advances in the previous year. Market share of Rural and Semi Urban branches during the year upto December 2007 has improved by 0.92% in deposit and 0.98% in advances. Bank's share in current year growth upto December 2007 was 32.04% in deposits and 31.97% in advances.

